राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सादर प्रकाशनार्थ :-

यूपीए शासन के दौरान जो भाजपा नेता पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस के दामों को लेकर आन्दोलन करते थे आज इनकी कीमत दोगुनी होने पर भी चुप बैठे हैं - डोटासरा

जयपुर, 11 जून। केन्द्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश में बढ़ती मॅहंगाई के विरोध में तथा पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस की कीमतों को कम करने की मांग को लेकर आज अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों में पेट्रोल पम्पों के सामने कोरोना गाईडलाईन की पालना करते हुए विरोध प्रदर्शन आयोजित किये गये। इन विरोध-प्रदर्शनों में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण, राज्य मंत्रीमण्डल के सदस्यगण, विधायकगण, सांसद व विधायक प्रत्याशीगण, निवर्तमान जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षगण सहित सभी प्रमुख कांग्रेसजनों ने भाग लिया।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा जयपुर में अजमेर रोड पर छोटे बालाजी मंदिर स्थित पेट्रोल पम्प पर अयोजित विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए। श्री डोटासरो ने विरोध-प्रदर्शन में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में मॅंहगाई कम करने, किसानों की आय दोगुनी करने तथा प्रति वर्ष दो करोड़ युवाओं को नौकरियां देने का वादा कर केन्द्र में सरकार बनाई थी, लेकिन आज 7 वर्ष के शासन में प्रधानमंत्री जी ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया बल्कि जनता से किए सभी वादों को भुला दिया है। उन्होंने कहा कि जब देश में डॉ. मनामोहन सिंह की कांग्रेस सरकार का शासन था तो अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 150 से डॉलर प्रति बैरल थी इसके बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम 55 रूपये एवं 50 रूपये थे तथा गैस सिलेण्डर की कीमत 400 से कम थी उस वक्त भाजपा के समस्त नेता देश में धरना प्रदर्शन करते हुए कह रहे थे कि आम आदमी का जीवनयापन मुश्किल हो गया है व मध्यमवर्गीय जनता को घर चलाने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है और वे सरकार से मंहगाई कम करने की मांग करते थे। उन्होंने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि आज यही लोग देश की सत्ता पर आसीन है और अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में जब कच्चे तेल की कीमत 50 से 55 डॉलर प्रति बैरल है तो देश में पेट्रोल के दाम 100 रूपये से ऊपर पहुंच गये हैं और डीजल के दाम 100 रूपये प्रति लीटर के

समीप हो गये हैं। इसी के साथ रसोई गैस की कीमत दुगनी से अधिक 850 रूपये प्रति सिलेण्डर हो गई है। उन्होंने कहा कि देश में खाद्य पदार्थों जैसे आटा, तेल, मसाला, चावल, दाल, सब्जी एवं फल की कीमत आसमान छू रही है जिस कारण यह सभी यह सभी खाद्य वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गई है, किन्तु कांग्रेस शासन के दौरान आन्दोलन करने वाले भाजपा के नेता आज चुप बैठे हैं।

श्री डोटासरा ने कहा कि कोरोना महामारी की के कारण आमजन पहले से ही त्रस्त है, कमाई घट गई है, लाखों लोग नौकरियां जाने तथा काम धंधे बंद होने के कारण बेरोजगार हो गये हैं, ऐसी परिस्थिति में आमजन के सामने कोरोना से बचाव के साथ ही अपनी आजीविका चलाने का संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि देश की 30 प्रतिशत आबादी एक वक्त के भोजन के लिये संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से त्रस्त आम जनता पिछले कई माह से बीमारी की वजह से अपना जीवन बचाने के लिये संघर्ष कर रही है किन्तु प्रधानमंत्री आमजन के लिए उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को व पीड़ित जनता को अपने हाल पर छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की अनदेखी व गलत नीतियों के कारण आज आम आदमी के समक्ष एक वक्त की रोटी हासिल करना चुनौती के समान हो गया है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी, जीएसटी के गलत क्रियान्वयन एवं गलत आर्थिक नतियों के कारण लाखों लोग बेरोजगार हो गये लेकिन केन्द्र सरकार ने 7 वर्ष के शासन के दौरान रेलवे समेत किसी विभाग में नौकरियां नहीं निकालकर नौजवानों के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि लोगों के पास रोजगार नहीं है तथा आम आदमी के लिये अपना व परिवार का पेट भरना मुश्किल हो गया है, देश में उत्पन्न इन हालातों के लिये प्रधानमंत्री जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा कि अपने को चायवाला तथा गरीब का बेटा बताकर गरीबों का मसीहा घोषित कर सत्ता प्राप्त करने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जिस प्रकार गरीब जनता के हितों पर कुठाराघात किया है उस विश्वासघात के लिये देश की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री न तो गरीब की सुनते हैं, ना गरीब से मिलते हैं, केवल अपने मन की बात करते हैं, उनसे सवाल नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर में जब प्रदेश की जनता को जीवन रक्षक दवाओं, ऑक्सीजन व अन्य सहायता की आवश्यकता थी तो केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश के साथ भेदभाव किया जा रहा था किन्तु प्रदेश से भाजपा के चुने हुए 25 सांसदों में से किसी एक ने भी जनता के हितों के लिए प्रदेश में ऑक्सीजन सहित जीवन रक्षक दवाओं की आपूर्ति हेतु केन्द्र सरकार अथवा प्रधानमंत्री से किसी प्रकार की कोई मांग नहीं की बल्कि चुप्पी साधे रहे, उनके इस आचरण के लिए प्रदेश की

जनता भाजपा के नेताओं को कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने ना सिर्फ देश को बल्कि देश के भविष्य हमारे बच्चों को भी गुमराह करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, परीक्षा पर चर्चा कर बच्चों को परीक्षा में कठिन प्रश्न पहले हल करने को कहा जो कि शिक्षाविदों द्वारा दी गई शिक्षा के विपरीत है। उन्होंने कहा कि देश में चुने हुए भाजपा सांसद चुप बैठे हुए हैं तथा केन्द्र में भाजपा सरकार तानाशाही पूर्ण तरीके से दो व्यक्तियों द्वारा पर्दे के पीछे रहकर चुनावों में कभी भी भाग नहीं लेने वाले लोगों को साथ लेकर चलाई जा रही है जो देश के लोकतंत्र के लिये खतरा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में जयपुर में हुए घटनाक्रम को लेकर जो मीडिया में रिपोर्ट आई है यदि वह सही है तो स्वयं को राष्ट्रवादी कहने वाले आरएसएस के लोग बेनकाब हो गये हैं तथा अब यह लोग जनता के बीच मुंह दिखाने के लायक नहीं रही हैं।

उन्होंने कहा कि जब देश की सरकार आम जनता के हितों के लिये उठाई गई मांगों को अनसुना करे तो धरने एवं प्रदर्शन के माध्यम से सरकार तक बात पहुंचाने के अलावा कोई विकल्प शेष नहीं रहता है जिस कारण अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश के सभी जिलों में कांग्रेस कार्यकर्ता पेट्रोल पम्प के सामने सांकेतिक रूप से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक केन्द्र सरकार पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस के दामों में कमी नहीं करेगी, देश में बढ़ती मंहगाई पर अंकुश नहीं लगायेगी, तब तक कांग्रेस का आम जनता के हितों की रक्षार्थ यह सघंर्ष जारी रहेगा।